



लखनऊ में आयोजित राज्यस्तरीय श्री अब्दुल गन्धी एवं कार्यशाला का सीएम योगी ने किया शुभारंभ, तीन दिन तक चलेगा आयोजन।

## सरकार प्राकृतिक खेती को दे रही बढ़ावा: योगी

- श्री अन्न की महिमा का बढ़ावान हमारे वेद भी करते हैं
- केमिकल फर्टीलाइजर के अत्यधिक उपयोग से बढ़े हैं तमाम रोग



सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कोरोना काल ने हमें बड़ा सबक दिया है। हम जितना कठिम जीवन जीने का प्रयास करेंगे, महामारियां हमें उतनी ही पेश करेंगी। हमें प्राकृतिक वास और जीवनस्त्री को अपनाना होगा और उसमें श्री अब्दुल गन्धी ने दी शहायता दी। इसकी उपायक्रमों के लिए शोध और अनुसंधान की आवश्यकता है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कृषि के क्षेत्र में शोध एवं अनुसंधान के

लिए कार्य कर रही उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद् के 34वा स्थापना दिवस पर अलान तीन दिन तक श्री अन्न महोत्पव का आयोजन हो रहा है। ये महोत्पव यूपी के किसानों के जीवन में व्यापक परिवर्तन का माध्यम बनेगा। सीएम योगी ने कहा कि पिछली सदी के छठे और सातवें दशक तक बड़ी मात्रा में मोटे अनाज का उत्पादन होता था। ये हमारे दैनिक जीवन का अंग था। मगर बढ़ती आबादी की आवश्यकता और इस

### सीएम ने किया सम्मानित

मुख्यमंत्री ने समारोह के दौरान श्री अन्न के क्षेत्र में कार्य करने वाले 35 कृषक उत्पादक संगठनों को सम्मानित किया। इसके अलावा प्रदेश के पांच कृषि विज्ञान केंद्रों (झांसी, ललितपुर, बांदा, हमीरपुर और गाजीपुर) को भिलेंद्रस प्रसांसकरण संयंत्र के लिए 95-95 लाख की सहायता प्रदान की गई। शायद ही जिन कृषक उत्पादक संगठनों ने अधिक से अधिक किसानों को भिलेंद्रस फार्मिंग के लिए प्रशिक्षण और प्रोत्साहित किया तब वे भी मुख्यमंत्री ने समारोह के दौरान सम्मानित किया।

दिवांगों में शोध और अनुसंधान की गाँधी थाने के कारण इसका उत्पादन कम होता गया। आज हमारा देश खाद्यान अत्यनिर्भरता में बहुत आगे बढ़ चुका है, लेकिन इसके साइड-इफेक्ट भी पढ़े हैं। केमिकल फर्टीलाइजर के अत्यधिक उपयोग से कहा गया था। ये हमारे दैनिक जीवन का अंग था। तमाम रोग बढ़े हैं।

## संस्कृत हमारी प्रगति और पहचान की भाषा: मोदी

- पीएम मोदी ने की रहुबार मंदिर में पूजा-अर्चना
- रामभद्राचार्य जी ने दिया आशीर्वाद



चित्रकूट प्रधानमंत्री ने दोनों मोदी को उत्तर प्रदेश के सत्ताने जिसे किंवद्दन में प्रसिद्ध रहुबार मंदिर में पूजा-अर्चना की। पीएम मोदी दोपहर में श्री सद्गुरु सेवा संघ द्वारा कार्यक्रमों में हिस्सा लेने के लिए चित्रकूट पहुंचा। प्रधानमंत्री ने तुलसी पीठ की दी दीया किया।

उन्होंने अचार्य मंदिर में पूजा की और गुरु रामदास की दी दीया किया। उन्होंने जीवनस्त्री की दी दीया किया। सार्वजनिक समारोह के दौरान, प्रधानमंत्री ने तुलसी पीठ में अश्वाधारी भाष्य, रामानंदाचार्य चरितम और भगवान श्री कृष्ण की शशीली नामक तीन पुस्तकों का विमोचन किया। तुलसी पीठ में आयोजित एक कार्यक्रम

को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि, मुझे आज कई राम मंदिरों में पूजा करने का काम करता है। मुझे जगदुरु रामानंदाचार्य की भी आशीर्वाद मिला।

उन्होंने जीवनस्त्री की दी दीया किया। उन्होंने जीवनस्त्री की दी दीया किया।

उन्होंने जीवनस्त्री की दी दीया किया।

उन्होंने जीवनस्त्री की दी दीया किया।

उन्होंने जीवनस्त्री की दी दीया किया।

उन्होंने जीवनस्त्री की दी दीया किया।

उन्होंने जीवनस्त्री की दी दीया किया।

उन्होंने जीवनस्त्री की दी दीया किया।

उन्होंने जीवनस्त्री की दी दीया किया।

उन्होंने जीवनस्त्री की दी दीया किया।

उन्होंने जीवनस्त्री की दी दीया किया।

उन्होंने जीवनस्त्री की दी दीया किया।

उन्होंने जीवनस्त्री की दी दीया किया।

उन्होंने जीवनस्त्री की दी दीया किया।

उन्होंने जीवनस्त्री की दी दीया किया।

उन्होंने जीवनस्त्री की दी दीया किया।

उन्होंने जीवनस्त्री की दी दीया किया।

उन्होंने जीवनस्त्री की दी दीया किया।

उन्होंने जीवनस्त्री की दी दीया किया।

उन्होंने जीवनस्त्री की दी दीया किया।

उन्होंने जीवनस्त्री की दी दीया किया।

उन्होंने जीवनस्त्री की दी दीया किया।

उन्होंने जीवनस्त्री की दी दीया किया।

उन्होंने जीवनस्त्री की दी दीया किया।

उन्होंने जीवनस्त्री की दी दीया किया।

उन्होंने जीवनस्त्री की दी दीया किया।

उन्होंने जीवनस्त्री की दी दीया किया।

उन्होंने जीवनस्त्री की दी दीया किया।

उन्होंने जीवनस्त्री की दी दीया किया।

उन्होंने जीवनस्त्री की दी दीया किया।

उन्होंने जीवनस्त्री की दी दीया किया।

उन्होंने जीवनस्त्री की दी दीया किया।

उन्होंने जीवनस्त्री की दी दीया किया।

उन्होंने जीवनस्त्री की दी दीया किया।

उन्होंने जीवनस्त्री की दी दीया किया।

उन्होंने जीवनस्त्री की दी दीया किया।

उन्होंने जीवनस्त्री की दी दीया किया।

उन्होंने जीवनस्त्री की दी दीया किया।

उन्होंने जीवनस्त्री की दी दीया किया।

उन्होंने जीवनस्त्री की दी दीया किया।

उन्होंने जीवनस्त्री की दी दीया किया।

उन्होंने जीवनस्त्री की दी दीया किया।

उन्होंने जीवनस्त्री की दी दीया किया।

उन्होंने जीवनस्त्री की दी दीया किया।

उन्होंने जीवनस्त्री की दी दीया किया।

उन्होंने जीवनस्त्री की दी दीया किया।

उन्होंने जीवनस्त्री की दी दीया किया।

उन्होंने जीवनस्त्री की दी दीया किया।

उन्होंने जीवनस्त्री की दी दीया किया।

उन्होंने जीवनस्त्री की दी दीया किया।

उन्होंने जीवनस्त्री की दी दीया किया।

उन्होंने जीवनस्त्री की दी दीया किया।

उन्होंने जीवनस्त्री की दी दीया किया।

उन्होंने जीवनस्त्री की दी दीया किया।

उन्होंने जीवनस्त्री की दी दीया किया।

उन्होंने जीवनस्त्री की दी दीया किया।

उन्होंने जीवनस्त्री की दी दीया किया।

उन्होंने जीवनस्त्री की दी दीया किया।

उन्होंने जीवनस्त्री की दी दीया किया।

उन्होंने जीवनस्त्री की दी दीया किया।

उन्होंने जीवनस्त्री की दी दीया किया।

उन्होंने जीवनस्त्री की दी दीया किया।





















# दूरसंचार उद्योग में प्रतिभा मांग और आपूर्ति का अंतर वर्ष 2030 तक बढ़कर 3.8 गुना हो जाएगा: टीएसएससी ड्रॉप रिपोर्ट

नई दिल्ली। दूरसंचार बैश के लिए भारत के प्रमुख कौशल विकास संस्थान टेलीकॉम सेक्टर स्किल कार्यसिल (टीएसएससी) ने भारतीय कांटर दूरसंचार क्षेत्र में रोजगार के अवसरों, मांग आपूर्ति के बीच अंतर, दूरसंचार का टेलीकॉम बैश में सम्मिलन और विभिन्न रोजगार धूमिकाओं में भारत में संभावना का खाका पेश करते हुए ड्रॉप के साथ मिलकर टेलीकॉम टेलीट इन 5.5 एस-डिमांड सलाई स्किल गैप रिपोर्ट 2023-24 रिपोर्ट अज लांच की। इस रिपोर्ट को इंडिया मोबाइल कंपनियों में अलाइन किए दिए गए अफ टेलीकॉम-स्ट्रिटिंग फॉर ए कनेक्टेड वर्ल्ड विषय पर एक पैनल में लांच किया गया जिसमें अतुल कुमार तिवारी, डिक्टर निर्मलजीत सिंह कलसी, पंकज पर्हू, विप्रवाल आनंद, कार्टन एस, श्रीदर और टेलीकॉम सेक्टर स्किल कार्यसिल के सीईओ अरविंद बाली जैसे उद्योग के दिग्नां

**रिपोर्ट**  
“टीएसएससी ने इंडिया मोबाइल कांग्रेस में डिमांड सलाई गैप रिपोर्ट पेश की

रहा है और वर्ष 2030 तक इसके 3.8 गुना तक बढ़ने की संभावना है। इस रिपोर्ट में इस बात का उल्लेख किया गया है कि सबसे प्रमुख चुनौतियों में से एक चुनौती यह है कि अकादमिक अवश्यकता और उद्योग की मांग के बीच बिल की बजाए से टेलीकॉम बैश में एक नियरिंग में सबसे अधिक कार्योंप्रत प्रतिभाएं हैं, जबकि नेटवर्क अपरेंसन एवं मेन्टेनेंस और सेल्स एवं डिस्ट्रीब्यूशन सर्विस सेमेंट में सबसे अधिक ब्लूकॉलर प्रतिभाएं हैं।

भारतीय दूरसंचार उद्योग में लगे लोगों की कृत संख्या वर्तमान में 1.159 करोड़ है जिसमें 29.5 लाख कॉन्टेनर प्रतिभाएं और 82.4 लाख ब्लूकॉलर और इंटरनेट ऑफ कॉन्टेनर प्रतिभाएं हैं।

इस रिपोर्ट में अनुमान जताया गया है कि भारत को वर्ष 2025 तक 5.5 जी केन्द्रित उद्योगों खासकर क्लाउड कॉन्टेनर, रोबोट और इंटरनेट ऑफ कॉन्टेनर के बीच अंतर का विशेष कौशल और सतत अद्वितीय की जौरातर है। इस उद्योग के साथ मानवरहित प्रणालियों के क्षेत्र में कॉटम रखने की विषया की। इन ड्रॉन की डिजाइन और विनियमां भारत में किया गया है। आगामी 6जी युग को देखते हुए हमारा ध्यान अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों के साथ हमारे कौशल विकास पर बन रहा है। जिसमें दूरसंचार के विषय के लिए एक तैयार कार्यबल सुनिश्चित होगा।

इस रिपोर्ट को पेश करते हुए टेलीकॉम सेक्टर स्किल कार्यसिल के सीईओ अरविंद बाली ने कहा, दूरसंचार क्षेत्र भारत में तीसरा सबसे बड़ा क्षेत्र है जिसकी कृत एक उल्लेखनीय उत्पादन वर्ष 2030 में 2030 तक 13 लाख कर्मचारियों के साथ अधिकृष्ण कृतशत्रु रखने की संभावना है। कौशल विकास एवं ड्रॉन शीलता भवित्वात्कालीन के सचिव अतुल तिवारी ने कहा, जबरदस्त संभावनाओं से भरा है।



## टाटा मोटर्स की बेहद स्थानीय रणनीति ने उत्तर प्रदेश में Tiago.ev को लगातार सफलता दिलाना जारी रखा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में जैसे-जैसे इलेक्ट्रिक बैशों (ईवी) की लोकप्रियता बढ़ रही है, राज्य में इवी को अपनाने की गति तेज करने में टियर-2 और टियर-3 शहरों का प्रमुख योगदान दिखाता दे रहा है। यह राज्य में गाजियाबाद, कानपुर, आगरा, वाराणसी, मेरठ आदि जैसे शहरों में इवी की अधिकतम बिक्री से साथित होता है। यह अनुपातिक विभाजन एक उत्पाद के रूप में Tiago.ev की भारी सफलता का असली उत्पादन दिखाता दे रहा है। यह राज्य में गाजियाबाद, कानपुर, आगरा, वाराणसी, मेरठ आदि जैसे शहरों में इवी की अधिकतम बिक्री से साथित होता है। यह अनुपातिक विभाजन एक उत्पाद के रूप में Tiago.ev की भारी सफलता का असली उत्पादन दिखाता दे रहा है।

**Tiago.ev की सफलता के प्रमुख कारण**

प्रधानमंत्री योगी एस की पहली इलेक्ट्रिक हैचबैक है जो भारत में बहुत जल्द स्थापी और पर्यावरण-हितों परिवर्तन का प्रतीक बन गया है। सस्ती कीमत, प्रभावशाली रेंज, और आपूर्तिक विशेषताओं के लिए उत्पादक विकास का योगदान 7% है।

Tiago.ev योगी एस की पहली इलेक्ट्रिक हैचबैक पर भ्रोजन कर रहे हैं। इवी की संपूर्ण बिक्री में उत्तर प्रदेश का योगदान 5.5% है।

इलेक्ट्रिक हैचबैक पर भ्रोजन करने के लिए उत्पादक विकास का योगदान 5.5% है।

इलेक्ट्रिक हैचबैक पर भ्रोजन करने के लिए उत्पादक विकास का योगदान 5.5% है।

इलेक्ट्रिक हैचबैक पर भ्रोजन करने के लिए उत्पादक विकास का योगदान 5.5% है।

इलेक्ट्रिक हैचबैक पर भ्रोजन करने के लिए उत्पादक विकास का योगदान 5.5% है।

इलेक्ट्रिक हैचबैक पर भ्रोजन करने के लिए उत्पादक विकास का योगदान 5.5% है।

इलेक्ट्रिक हैचबैक पर भ्रोजन करने के लिए उत्पादक विकास का योगदान 5.5% है।

इलेक्ट्रिक हैचबैक पर भ्रोजन करने के लिए उत्पादक विकास का योगदान 5.5% है।

इलेक्ट्रिक हैचबैक पर भ्रोजन करने के लिए उत्पादक विकास का योगदान 5.5% है।

इलेक्ट्रिक हैचबैक पर भ्रोजन करने के लिए उत्पादक विकास का योगदान 5.5% है।

इलेक्ट्रिक हैचबैक पर भ्रोजन करने के लिए उत्पादक विकास का योगदान 5.5% है।

इलेक्ट्रिक हैचबैक पर भ्रोजन करने के लिए उत्पादक विकास का योगदान 5.5% है।

इलेक्ट्रिक हैचबैक पर भ्रोजन करने के लिए उत्पादक विकास का योगदान 5.5% है।

इलेक्ट्रिक हैचबैक पर भ्रोजन करने के लिए उत्पादक विकास का योगदान 5.5% है।

इलेक्ट्रिक हैचबैक पर भ्रोजन करने के लिए उत्पादक विकास का योगदान 5.5% है।

इलेक्ट्रिक हैचबैक पर भ्रोजन करने के लिए उत्पादक विकास का योगदान 5.5% है।

इलेक्ट्रिक हैचबैक पर भ्रोजन करने के लिए उत्पादक विकास का योगदान 5.5% है।

इलेक्ट्रिक हैचबैक पर भ्रोजन करने के लिए उत्पादक विकास का योगदान 5.5% है।

इलेक्ट्रिक हैचबैक पर भ्रोजन करने के लिए उत्पादक विकास का योगदान 5.5% है।

इलेक्ट्रिक हैचबैक पर भ्रोजन करने के लिए उत्पादक विकास का योगदान 5.5% है।

इलेक्ट्रिक हैचबैक पर भ्रोजन करने के लिए उत्पादक विकास का योगदान 5.5% है।

इलेक्ट्रिक हैचबैक पर भ्रोजन करने के लिए उत्पादक विकास का योगदान 5.5% है।

इलेक्ट्रिक हैचबैक पर भ्रोजन करने के लिए उत्पादक विकास का योगदान 5.5% है।

इलेक्ट्रिक हैचबैक पर भ्रोजन करने के लिए उत्पादक विकास का योगदान 5.5% है।

इलेक्ट्रिक हैचबैक पर भ्रोजन करने के लिए उत्पादक विकास का योगदान 5.5% है।

इलेक्ट्रिक हैचबैक पर भ्रोजन करने के लिए उत्पादक विकास का योगदान 5.5% है।

इलेक्ट्रिक हैचबैक पर भ्रोजन करने के लिए उत्पादक विकास का योगदान 5.5% है।

इलेक्ट्रिक हैचबैक पर भ्रोजन करने के लिए उत्पादक विकास का योगदान 5.5% है।

इलेक्ट्रिक हैचबैक पर भ्रोजन करने के लिए उत्पादक विकास का योगदान 5.5% है।

इलेक्ट्रिक हैचबैक पर भ्रोजन करने के लिए उत्पादक विकास का योगदान 5.5% है।

इलेक्ट्रिक हैचबैक पर भ्रोजन करने के लिए उत्पादक विकास का योगदान 5.5% है।

इलेक्ट्रिक हैचबैक पर भ्रोजन करने के लिए उत्पादक विकास का योगदान 5.5% है।

इलेक्ट्रिक हैचबैक पर भ्रोजन करने के लिए उत्पादक विकास का योगदान 5.5% है।

इलेक्ट्रिक हैचबैक पर भ्रोजन करने के लिए उत्पादक विकास का योगदान 5.5% है।

इलेक्ट्रिक हैचबैक पर भ्रोजन करने के लिए उत्पादक विकास का योगदान 5.5% है।

इलेक्ट्रिक हैचबैक पर भ्रोजन करने के लिए उत्पादक विकास का योगदान 5.5% है।

इलेक्ट्रिक हैचबैक पर भ्रोजन करने के लिए उत्पादक विकास का योगदान 5.5% है।

इलेक्ट्रिक हैचबैक पर भ्रोजन करने के लिए उत्पादक विकास का योगदान 5.5% है।

इलेक्ट्रिक हैचबैक पर भ्रोजन करने के लिए उत्पादक विकास का योगदान 5.5% है।

इलेक्ट्रिक हैचबैक पर भ्रोजन करने के लिए उत्पादक विकास का योगदान 5.5% है।

इलेक्ट्रिक हैचबैक पर भ्रोजन करने के लिए उ







